इंटरव्यू

टाइप कास्टिंग से परेशान होकर थोक के भाव में छोड़नी पड़ीं फिल्में

किसी बहुमुखी अभिनेता के लिए टाइप कास्टिंग को लंबे समय तक झेलना आसान काम नहीं। एक ही तरह की फिल्में बार-बार ऑफर होने के बाद उनको छोड़ने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं बचता। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से निकलकर थियेटर के मंझे हुए एक्टर अश्वथ भट्ट ने जब बॉलीवुड में कदम रखा तो उनको यही सब झेलना पड़ा, जो आज तक जारी है। राजी, फैंटम, हैदर, सीता राममम जैसी फिल्मों में उनके काम की खूब तारीफ हुई। इसी साल जॉन अब्राहम के साथ आई फिल्म डिप्लोमेट में पाकिस्तानी स्पाई एजेंसी आईएसआई अफसर का दमदार किरदार निभाया। मगर कसक यही कि पाकिस्तानी किरदारों को निभाने की छाप ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। बकौल अश्वथ भट्ट एक वक्त ऐसा भी आया जब टाइप कास्टिंग की वजह से बड़ी तादाद में फिल्मों के ऑफर तक ठुकरा दिए। पेश हैं अमृत विचार से खास बातचीत के कुछ अंश।

–मोनिस खान

अश्वथ ने जिन फिल्मों में काम किया उनमें ज्यादातर की कहानी सरहद पार जाने के सवाल पर उनका दर्द छलका और कहा कि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने थोक के भाव में फिल्मों को छोड़ दिया, क्योंकि हमेशा एक तरह का काम देने की कोशिश की गई, जिसको टाइप कास्टिंग बोलते हैं। पूरे करियर में इस सब को अब तक फेस किया, मगर इसके बरअक्स बहुत सारी फिल्में की जिनमें अलग तरह का किरदार किया। एक फिल्म आने वाली है, मेड इन इंडिया, जिसमें वो तमिल ब्राह्मण का किरदार निभा रहे हैं। मंडली फिल्म में उन्होंने रामलीला में राम का किरदार निभाने वाले लड़के का रोल किया। मगर लोगों को वही दिखता है जैसी छाप बना दी गई। कोई बिहारी एक्टर से नहीं पूछेगा कि तुम फिल्मों में बिहारी क्यों बनते हो। मेरी फिल्मों को देखेंगे तो उनकी पृष्ठभूमि एक हो सकती, मगर जिन किरदारों को निभाया वो एक दूसरे से अलग हैं। खुद की पसंद यही है कि अलग-अलग किरदारों को करूं। मगर सबकुछ हमारे हाथ में भी नहीं होता है।

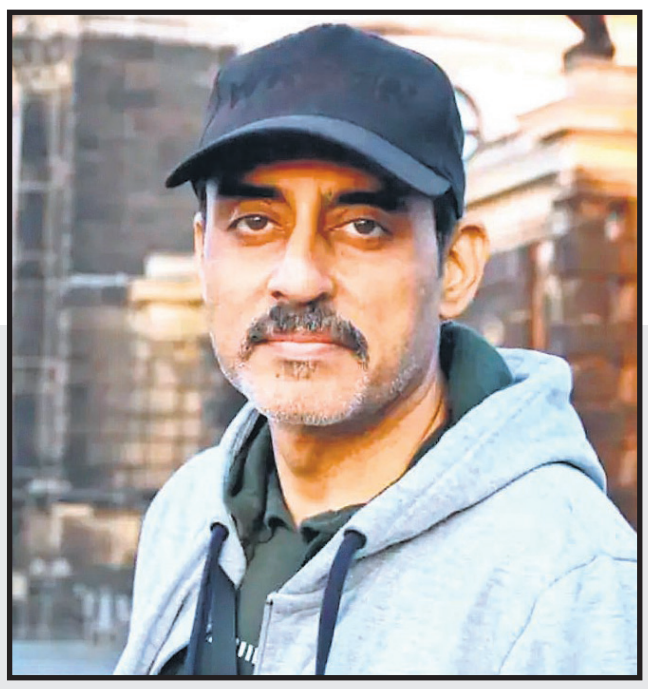

छोटे शहरों को चाहिए रंगमंच के सुधीजन

रंगमंच को लेकर बेहद गंभीर अश्वथ छोटे शहरों में थियेटर को और बढ़ावा देने की हिमायत करते हैं। बरेली जैसे शहरों के अंदर रंगमंच कलाकारों के सामने आ रही चुनौतियों से निपटने और यहां थियेटर को आगे बढ़ाने के सवाल पर उनका जवाब है, थियेटर फेस्ट होना अच्छी बात है, मगर उससे ज्यादा जरूरी है कि नए कलाकारों के लिए कार्यशालाएं रखी जाएं। प्रशासन के सहयोग नाट्यशाला विकसित की जाएं। इस कला को स्कूलों के अंदर भी ले जाना होगा। सभी एक्टर बनें जरूरी नहीं, हमें डायरेक्टर, प्रोडक्शन टीम, राइटर, लाइटर डिजायनर और सबसे जरूरी सुधीजन भी चाहिए। लोगों को रंगमंच और सिनेमा में फर्क भी समझना होगा। हमें थियेटर की ऑडियंस विकसित करनी होगी, जो रंगमंच के संस्कार को भी समझे। इसके अलावा दुनिया के किसी भी कोने का थियेटर तभी आगे बढ़ सकता है जब जमीन पर काम हो। इसके लिए ट्रेनिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश में जितने भी बड़े एक्टर हैं वो ट्रेनिंग हासिल करके ही इस मुकाम पर पहुंचे हैं। नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, परेश रावल, ओमपुरी, सौरभ शुक्ला, पंकज त्रिपाठी इन सभी ने थियेटर से शुरुआत की।

न्यू रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शन की नई फिल्म 'मेरे रहो' दिसंबर में होगी रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शन की नई फिल्म 'मेरे रहो' 12 दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म 'मेरे रहो' में जुनैद खान और साई पल्लवी की मुख्य भूमिका होगी। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर बताया, आमिर खान प्रोडक्शंस की नई फिल्म 'मेरे रहो' दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे कर रहे हैं। इस फिल्म निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म 'मेरे रहो' आमिर और मंसूर की 17 साल बाद एक साथ वापसी है, जो पहले 'जाने तू या जाने ना' जैसी हिट फिल्म दे चुके हैं। फिल्म 'जाने तू या जाने ना' 2008 में रिलीज हुई थी।

'जो अजब है, वो गजब है' के साथ लौटा इंडियाज गॉट टैलेंट, सिद्धू ने किया लॉन्च

नवजोत सिंह सिद्धू ने इंडियाज गॉट टैलेंट का नया सीजन लांच किया है। नवजोत सिंह सिद्धू की प्रोमो में दमदार लाइन "दुनिया में सबसे बड़ा रोग, मेरे बारे में क्या कहेंगे लोग", उन लोगों की परेशानियों को दिखाती है, जिन्हें समाज की सोच रोकती है। ये लाइन टैलेंट्स को प्रेरित करती है कि वो ऐसे बंधनों से ऊपर उठकर बिना किसी डर अपने सपनों का पीछा करें। इंडियाज गॉट टैलेंट के पहले प्रोमो में आने वाले सफर की बस एक झलक दिखाई गई है, जिसमें टैगलाइन "जो अजब है, वो गजब है" इस सीजन की असली रूह को बखूबी पेश करती है। शो के बारे में बात करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, "मैं उन टैलेंट्स को देखने के लिए उत्साहित हूं जो अनोखे, क्रिएटिव हैं और इतनी हिम्मत रखते हैं कि आम सोच को चैलेंज कर सकें। ये कमाल के टैलेंट्स न सिर्फ पूरे देश को हैरान करने वाले हैं, बल्कि अनगिनत लोगों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित भी करने वाले हैं।" इंडियाज गॉट टैलेंट का प्रीमियर चार अक्टूबर 2025 से, हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

फिल्म समीक्षा

मिराई 2025.. हिंदी डब (तेलुगु)

कार्तिक घट्टेमेनी इस फिल्म के लेखक और निर्देशक हैं और तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मैंने पहले कार्तिक की ईगल फिल्म देखी थी। आइडिया के स्तर पर, वह फिल्म अच्छी थी, लेकिन उसका क्रियान्वयन खराब था।

मिराई का कॉन्सेप्ट ठीक है और प्रस्तुति भी ठीक थी। कहानी में कुछ चीजें छूट गई हैं, लेकिन फिल्म के कुल मिलाकर अच्छे अनुभव से नजरअंदाज किया जा सकता है। दृश्यात्मक रूप से, फिल्म बहुत खूबसूरत है, कुछ दृश्यों में वीएफएक्स एआई का इस्तेमाल कमाल का था और ट्रेन वाले सीक्वेंस में क्लाइमेक्स थोड़ा कमजोर लगा। कम बजट में फिल्म ने जो गुणवत्ता दी है, वह वाकई बेहतरीन है। कार्तिक ने पिछली फिल्म के मुकाबले निर्देशन में काफी सुधार किया है। कुछ दृश्यों में बैकग्राउंड बनाने में थोड़ी कमी लगी और क्लाइमेक्स में दोनों किरदारों के हत्यारे को इस तरह मोड़ने का आइडिया पसंद आया कि सीक्वेंस प्रेडिक्टेबल न लगे। उन्हें किरदारों की गहराई और भावनाओं पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए थी। फिल्म में भावनाएं बहुत कम हैं, जो भी थोड़ी-बहुत हैं, वे नायक की मां द्वारा रची गई हैं और मां का किरदार हमें बांध लेता है। संक्षेप में, कहानी कुछ इस प्रकार हैः सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद नौ धार्मिक ग्रंथ लिखे, उन ग्रंथों में शक्ति है और दुनियाभर में कुछ लोग पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन ग्रंथों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक्शन एडवेंचर शैली में बिल्कुल फिट बैठती है। फिल्म में कई अच्छी सकारात्मक बातें हैं, इसलिए आप इस फिल्म को उसके लिए देख सकते हैं। **समीक्षक**-शिवकांत पालवे

इंस्पेक्टर जेंडे

यह फिल्म सन उन्नीस सौ अस्सी के दशक मे मुंबई पुलिस के एक इंस्पेक्टर मधुकर झेंडे के जीवन के उस हिस्से की कहानी कहती है जब उसने वास्तव में कुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय अपराधी और हत्यारे चार्ल्स शोभराज को दो बार पकड़ा था। उस इंस्पेक्टर का रोल कर रहे हैं मनोज बाजपेई। दिल्ली की तिहाड़ जेल से वहां के सभी स्टाफ को उसके जन्मदिन पर खीर में नींद की दवा खिलाकर फरार हुए चार्ल्स को मुंबई में देखा गया था इसलिए वहां की डीजीपी (सचिन खेड़े) ने यह काम झेंडे को सौंपा था। यहां पर नेटफ्लिक्स के लिए फिल्म बनाने का काम सौंपा गया है निर्देशक चिन्मय मांडलकर को। यह पता नहीं कि फिल्म को कॉमेडी जॉनर में क्यों बनाया गया पर निर्देशक और सारे कलाकारों द्वारा यह निश्चित किया गया है कि किसी दर्शक को गलती से भी कभी हंसी न आ जाए।

यह मजाक किसके साथ हुआ? हमारे, आपके साथ या उस कुशल सचमुच का इंस्पेक्टर झेंडे के साथ? तो क्या 1980 में सारे पुलिस वाले यानी दिल्ली, मुंबई और गोवा के इतने बेवकूफ होते थे? मनोज बाजपेई अब भटकने लगे हैं। उनका कोई भी मुंह चाहे कितनी भी आंखे, होठ और मांसपेशियां फैला या सिकोड़ कर बनाया गया हो, किसी को भी हंसा नहीं पाया। यहां तक कि फाइट्स के दृश्यों में हंसाने की नाकाम कोशिश हुई।

मुझे सिर्फ चार्ल्स के रोल में जिम सरभ और झेंडे की पत्नी के रोल में गिरिजा ओक अच्छे लगे, क्योंकि उन्होंने निर्देशक के हंसाने के निर्देश को नहीं माना। इससे पहले इंस्पेक्टर झेंडे पर एक डॉक्यूमेंट्री 2023 में बनाई गई थी, उसकी आईएमडीबी रेटिंग लगभग 9 थी। फिर किस खुशी में इस फिल्म को बनाया गया? इस फिल्म को देखिए और मनोज बाजपेई के लिए प्रार्थना कीजिए कि वह हमें पहले वाला मनोज फिर से ला दें और ये निर्देशक महोदय फिर से अपना कोर्स पढ़ें। **समीक्षक** –बृज राज नारायण सक्सेना

'द बैटल ऑफ शत्रुघाट' में नजर आएंगे गुरमीत चौधरी

जाने माने अभिनेता गुरमीत चौधरी फिल्म 'द बैटल ऑफ शत्रुघाट' में काम करते नजर आएंगे। फिल्म द बैटल ऑफ शत्रुघाट का निर्देशन शाहिद काजमी कर रहे हैं और इसे सज्जाद खाकी व शाहिद काजमी ने लिखा है। इसमें गुरमीत चौधरी, आरुषि निशंक और सिद्धार्थ निगम मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। गुरमीत चौधरी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक शानदार पोस्टर साझा किया, जिसे देखकर फैन्स उत्साहित हो उठे। हर कोई इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में और जानने को बेताब है। फिल्म में मजबूत सह-कलाकारों की टोली भी है, जिसमें महेश मांजरेकर, रजा मुराद और जरीना वहाब शामिल हैं। शाहिद काजमी के निर्देशन और पीवाई मीडिया, हिल क्रेस्ट मोशन्स व शाहिद काजमी फिल्म्स के प्रोडक्शन में यह प्रोजेक्ट एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने जा रहा है, जो ऐतिहासिक युद्ध को परदे पर जिंदा कर देगा। फिल्म की भव्यता में और इजाफा कर रहे हैं। दरशन भगवानदासस कामवाल, जो कॉस्ट्यूम और स्टाइलिंग की कमान संभाल रहे हैं। इससे दर्शकों को असली दौर की झलक और भव्य विजुअल्स देखने को मिलेंगे। द बैटल ऑफ शत्रुघाट फिलहाल शूटिंग फ्लोर पर है।

सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर का कहना है कि उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई मांजरेकर, जिन्होंने पहले ही बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है, अपनी प्राथमिकताओं को लेकर साफ हैं। उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई ने कहा कि मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती। असल मायने रखती है कहानी और उसका दर्शकों से जुड़ाव।

अभी मैं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री पर ध्यान दे रही हूं, लेकिन आगे चलकर मैं एक अच्छी मराठी फिल्म जरूर करना चाहूंगी। जब तक स्क्रिप्ट रोमांचक हो और डायरेक्टर का विजन मजबूत हो, मैं किसी भी इंडस्ट्री को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूं। सई मांजरेकर ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की तुलना करते हुए कहा कि दोनों जगह काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी अलग पहचान और जादू है। बॉलीवुड में कहानियों को बड़े भावनात्मक अंदाज में दिखाया जाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा, जो मुझे बेहद पसंद आया। दोनों अनुभवों ने मुझे अलग-अलग तरह से गढ़ा है और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि दोनों का हिस्सा हूं। मेरे लिए यह सफर दोनों की अच्छाइयों को अपनाने और हर प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने का है। सई मांजरेकर की सोच पर घर का भी असर रहा है। उनके पिता, मशहूर फिल्ममेकर और अभिनेता महेश मांजरेकर, आठ अलग-अलग भाषाओं में काम कर चुके हैं और उन्होंने सई को दिखाया कि अच्छी कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं। उसी से प्रेरित होकर सई भी अपना एक ऐसा बहुभाषी सफर तय करना चाहती हैं, जिसमें मुख्यधारा का आकर्षण भी हो और दिल को छूने वाली कहानियां भी।

कौन हैं करिश्मा जिन्होंने चलती ट्रेन से लगा दी छलांग

'रागनी एमएमएस रिटर्न्स' में लीड रोल में नजर आईं एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा के ट्रेन हादसे की खबर से हर कोई स्तब्ध है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी हेल्थ अपडेट दी है और दुआओं की गुजारिश की है।

कैसे हुआ हादसा

करिश्मा शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए ट्रेन हादसे की खबर शेयर की है। उनकी मानें तो हादसा तब हुआ, जब वे एक शूट के लिए मुंबई लोकल से चर्चगेट जा रही थीं। उनकी दोस्त ट्रेन में सवार नहीं हो पाई थी, जिसकी वजह से वे घबरा गईं और उन्होंने चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। वे अब अस्पताल में भर्ती हैं।

बॉलीवुड का सफर

करिश्मा शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वे 2013 से लगातार एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। उन्होंने 2014 में जी टीवी के पॉपुलर शो 'पवित्र रिश्ता' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में उन्हें पिया अर्जुन किर्लोस्कर के रोल में देखा गया था। बाद में उन्होंने टीवी पर 'एमटीवी वेब्ड', 'प्यार तूने किया किया', 'ये है मोहब्बतें', 'सिलसिला प्यार का' जैसे फिक्शन और 'कॉमेडी सर्कस' और 'द कपिल शर्मा शो' ऐसे कॉमेडी शोज में भी काम किया।

2016 में किया था बॉलीवुड डेब्यू

करिश्मा शर्मा ने बॉलीवुड में कदम कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'प्यार का पंचनामा 2' से रखा था। इस फिल्म में उनका छोटा सा, लेकिन महत्वपूर्ण रोल था। इसके बाद वे 'होटल मिलन', 'उजड़ा चमन' और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में भी दिखाई दीं। यहां तक कि ऋतिक रोशन स्टारर 'सुपर 30' के गाने 'पैसा' में भी उनका कैमियो था। इसमें वे बार डांसर की भूमिका में दिखी थीं।

ओटीटी पर मिली पहचान

करिश्मा शर्मा को असली पहचान ओटीटी पर आने के बाद मिली थी, जब उन्होंने ऑल्ट बालाजी की इरोटिक हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस रिटर्न्स' में लीड रोल निभाया। एकता कपूर ने इस सीरीज को प्रोड्यूस किया था और 2017 में यह रिलीज हुई थी। करिश्मा 'हम : आई एम बिकॉज ऑफ अस' और 'फिक्सर' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

एक्ट्रेस बनने से पहले क्या करती थीं करिश्मा

करिश्मा शर्मा का जन्म मुंबई में हुआ। वे दिल्ली और पटना में रह चुकी हैं। उन्होंने बीएमडब्लू में मार्केटिंग इंटर्न के तौर काम किया। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई फैशन डिजाइनर्स के लिए रैम्प वॉक किया था। बताया जाता है कि करिश्मा सिंगर बनना चाहती थीं और कई सिंगिंग कम्पटीशन में हिस्सा ले चुकी हैं। वे गजेन्द्र वर्मा के 'तेरा घाटा' और जुबिन नौटियाल के 'बरसात की धुन' और 'दिल गलती कर बैठा है' जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी दिख चुकी हैं।